16

अध्याय

सी आई एल को इंदिरा गांधी राजभाषा शील्ड

हिंदी को बढ़ावा देना

हिंदी को बढ़ावा देना

मंत्रालय अपने अधीनस्थ कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्तशासी निकायों के साथ मिलकर वर्ष 2014–15 के दौरान भी हिंदी के प्रयोग के लिए निरंतर प्रचार और प्रसार करता रहा है। वर्ष 2014–15 के लिए राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के अतिरिक्त, राजभाषा विभाग तथा संसदीय राजभाषा समिति से प्राप्त विशिष्ट निर्देशों को सभी कार्यालयों/संगठनों में परिचालित किया गया था जिससे कि राजभाषा नीति के सांविधिक प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

- मंत्रालय द्विभाषी सुविधाओं के साथ पूर्णतः कंप्यूटरीकृत है। इसकी वेबसाइट द्विभाषी है और इसे नियमित रूप से दोनों भाषाओं में अद्यतन किया जाता है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रक के अधीन सभी अधीनस्थ कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा स्वायत्तशासी निकायों की वेबसाइट भी द्विभाषी रूप में है।
- राजभाषा नीति के सभी पहलुओं को सक्रियता से बढ़ावा देने के लिए संयुक्त सचिव (प्रशासन) की अध्यक्षता नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें की जाती हैं। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी अधीनस्थ कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/स्वायत्तशासी निकायों में भी नियमित रूप से बैठकों का आयोजन किया जाता है तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर बल दिया जाता है।
- राजभाषा के सृजनात्मक प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से सितंबर, 2014 माह के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी टिप्पण, आलेखन, निबंध तथा कविता प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सचिव द्वारा 22 दिसंबर, 2014 को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा भावी प्रोत्साहनपरक कार्यक्रमों में और अधिक स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को शामिल करने के लिए प्रयास किए गए। पुस्तकालय तथा वितरण के लिए पत्रिकाएं/पुस्तकें भी खरीदी गई थीं।
- हिंदी भाषा, हिंदी आशुलिपि तथा हिंदी टंकण में संरचनाबद्ध कार्यक्रमों के साथ हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से बनाए गए प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों तथा प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ कार्यक्रमों के लिए केन्द्रीय हिंदी निदेशालय में प्रवेश हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया।
- हिंदी में अपने सरकारी कामकाज पर ध्यान देने के अलावा, अधिकारियों/कर्मचारियों को सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी टिपपणियां देने के लिए भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।